

No. AB 14017/41/90-Estt. (RR)  
Government of India  
Ministry of Personnel, Public Grievances & Pensions  
(Department of Personnel & Training )

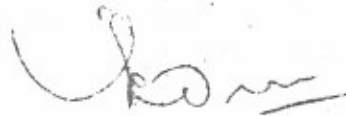
New Delhi, 5 February, 1991

OFFICE MEMORANDUM

Subject: Posting of Government employees who have mentally retarded children.

The undersigned is directed to say that there has been a demand that an employed parent of a mentally retarded child should be given posting at a place of his/her choice. This demand has been made on the plea that facilities of medical aid and education of such children are not available everywhere. Also looking after such children does require special care and patience and is expensive. Hence some concessions from the Government at least in matters of posting at a place of choice is called for.

2. The matter has been examined. Considering that the facilities for medical help and education of mentally retarded children may not be available at all stations, a choice in the place of posting is likely to be of some help to the parent in taking care of such a child. While administratively it may not be possible in all cases to ensure posting of such an employee at a place of his/her choice, Ministries/Departments are requested to take a sympathetic view on the merits of each case and accommodate such requests for posting to the extent possible.



( M. V. Kesavan )  
DIRECTOR

All Ministries/Departments

संख्या ए वी 14017/41/90-स्थापना॥आर आर॥

भारत सरकार

कार्मिक, लोक शिक्षा तथा पेंशन पत्रालय

॥कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग॥

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी, 1991

कार्यालय जापन

विषय:- ऐसे सरकारी कर्मचारियों की तैनाती जिनके बच्चे मंद बुद्धि के हैं।

मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि मंदबुद्धि बच्चों के नौकरी करने वाले माता पिता को अपनी पर्सों के स्थान पर तैनाती किए जाने की मांग रखी है। यह मांग इस तर्क पर की गई है कि इस प्रकार के बच्चों के इलाज तथा शिक्षा की सुविधाएं हर जगह उपलब्ध नहीं होती हैं। ऐसे बच्चों की देखभाल करने के लिए विशेष सावधानी और धैर्य की आवश्यकता होती है और यह छठीली भी होती है। अतः सरकार से कम से कम अपनी पर्सों के स्थान पर तैनाती के मामलों में जैसी कुछ रियायतों की मांग की गई है।

2. इस मामले की जांच की गई है। यह ध्यान में रखते हुए कि मंदबुद्धि बच्चों के इलाज तथा शिक्षा की सुविधाएं प्रत्येक स्थान पर उपलब्ध नहीं हो पाएंगी तो अपनी पर्सों के स्थान पर तैनाती होने से अपने ऐसे बच्चे की देखरेख करने में माता पिता को कुछ हद तक सहायता मिल सकेगी। जबकि प्रशासनिक तौर से ऐसे कर्मचारियों को अपनी पर्सों के स्थान पर तैनाती सुनिश्चित करना सभी मामलों में संभव नहीं हो पाएगा। पत्रालयों/विभागों से अनुरोध किया जाता है कि वे प्रत्येक मामले पर गुणवत्ता के आधार पर सहानुभूतिपूर्वक रवैया अपनाएं और जहां तक संभव हो तैनाती के ऐसे आवेदनों को पूरा करें।

12/2/91

॥एम०वी० केशवन॥

निदेशक

सेवा में,

सभी पत्रालय/विभाग।